भारत और चीन के "विशेष प्रतिनिधियों" की 23वीं बैठक

हाल ही में भारत और चीन के "विशेष प्रतिनिधियों" (Special Representatives - SRs) की 23वीं बैठक हुई, जो द्विपक्षीय संबंधों को बहाल करने में एक महत्वपूर्ण प्रगति थी।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी, जो दोनों एसआर के रूप में कार्यरत हैं, ने के बाद पहली बार 2019 मुलाकात की, जिसमें लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद और द्विपक्षीय संबंधों सहित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई।

बैठक का पृष्ठभूमि

विशेष प्रतिनिधियों के तंत्र की स्थापना 3,500 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा)LAC) के सीमा विवाद और अन्य संबंधित मुद्दों को सुलझाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए की गई थी। हालांकि, यह 2020 में लद्दाख में सैन्य गतिरोध के बाद से स्थगित था।

बीजिंग में हुई हालिया बैठक भारत चीन संबंधों में-सकारात्मक बदलाव का संकेत देती है, जो अक्टूबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई चर्चा के बाद संभव हुई।

बैठक के प्रमुख परिणाम

1. **LAC पर तनाव कम करना**: दोनों पक्ष LAC पर तनाव कम करने के उपायों को जारी रखने पर सहमत हुए।
2. **संवाद की बहाली**: सीमा विवाद पर SR प्रक्रिया 2005 में सहमत ग्यारह अनुच्छेदों के आधार पर आगे बढ़ेगी।
3. **विश्वास निर्माण उपाय** : सीमा पार आदान प्रदान और अन्य-CBMs के माध्यम से विश्वास को मजबूत करने के कदम उठाए जाएंगे।
4. **स्थगित तंत्र की पुनः सक्रियता**: WMCC (Working Mechanism for Consultation and Coordination) समझौतों के कार्यान्वयन की निगरानी करेगा।
5. **अगली बैठक भारत में**: SR वार्ता का अगला दौर 2025 में भारत में आयोजित किया जाएगा।

अतिरिक्त विकास

दोनों पक्षों ने कई विश्वास निर्माण उपायों पर सहमति जताई, जैसे:

- भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए **कैलाशमानसरोवर यात्रा-** फिर से शुरू करना।
- **सिक्किम में सीमा व्यापार** को फिर से शुरू करना।
- **सीमापार नदियों पर डेटा साझा करना**, जो पर्यावरण और क्षेत्रीय महत्व का मुद्दा है।

अन्य स्थगित संबंध, जैसे सीधी उड़ानें, व्यापार वीजा, छात्र आदानप्रदान-, और पत्रकार यात्राएं भी चर्चा में हैं।

बैठक का महत्व

यह बैठक चार वर्षों के तनावपूर्ण संबंधों के बाद भारतचीन संबंधों में - धीरे सुधार का संकेत देती है। यह-धीरे2025 में होने वाले उच्चस्तरीय संवाद, जैसे कि प्रधानमंत्री मोदी की शंघाई सहयोग संगठन)SCO) शिखर सम्मेलन में भागीदारी, की दिशा में एक कदम है। यह सम्मेलन भारत चीन के-75 साल के राजनयिक संबंधों के अवसर पर आयोजित होगा।

आगे की चुनौतियां

हालांकि यह बैठक उम्मीद जगाती है, सतर्कता बरतना आवश्यक है। 2020 के गतिरोध ने भारतचीन संबंधों की कमजोरियों को उजागर - किया, जिसमें PLA द्वारा सेना की तैनाती और LAC उल्लंघन शामिल थे। इन स्थितियों को रोकने के लिए निम्नलिखित कदम उठाने चाहिए:

1. **पारदर्शिता सुनिश्चित करना**: सरकार को चीन के साथ हुई बातचीत और समझौतों की जानकारी जनता को देनी चाहिए।
2. **स्थिति बहाल करना**: बफर जोन को हटाने और 2020 से पहले की स्थिति को बहाल करने पर ध्यान देना चाहिए।
3. **निवारक तंत्र मजबूत करना**: सीमा पर आक्रामकता को रोकने के लिए भविष्य के तंत्रों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

निष्कर्ष

SR की 23वीं बैठक भारत-चीन संबंधों को सामान्य करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि, यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि कूटनीतिक प्रगति राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर न हो। विश्वास बहाल करना और सीमा विवाद को हल करना दोनों पड़ोसी देशों के बीच स्थिर और सहयोगात्मक संबंध बनाने में महत्वपूर्ण होगा।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

भारत की मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ में सेफ (S.A.F.E.) सुविधा की भूमिका

संदर्भ- नीति आयोग ने हाल ही में एक रिपोर्ट में औद्योगिक मजदूरों के लिए सुरक्षित, सस्ती, सुविधाजनक और कुशल (S.A.F.E.) सुविधा की अहमियत को बताया गया है। यह पहल भारत की मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूती देने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने का एक बड़ा कदम है।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और विकसित भारत का सपना

भारत का लक्ष्य है कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का योगदान GDP में 17% से बढ़ाकर 25% तक किया जाए। यह मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहल का हिस्सा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कुशल और टिकाऊ श्रमिक रणनीति बनानी होगी, जिसमें मजदूरों के लिए नजदीक, सस्ते और अच्छे आवास की व्यवस्था अहम होगी।

S.A.F.E. सुविधा क्यों जरूरी हैं?

रिपोर्ट में बताया गया है कि उचित और पास के आवास से:

1. **उत्पादकता में बढ़ोतरी:** आनेजाने का समय कम होता- है और रहने की बेहतर सुविधाओं से मजदूर ज्यादा संतुष्ट रहते हैं।
2. **कर्मचारियों का बने रहना:** स्थायी आवास से मजदूर नौकरी छोड़कर जाने की संभावना कम होती है, जिससे भर्ती पर खर्च भी घटता है।
3. **महिलाओं के लिए सुरक्षा:** महिला श्रमिकों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक आवास से उनकी भागीदारी बढ़ती है।

रिपोर्ट में सुझाए गए मुख्य कदम

रिपोर्ट ने मजदूरों के लिए सुविधा संबंधी चुनौतियों को हल करने के लिए कई सुझाव दिए हैं:

1. नियमों में सुधार:

- S.A.F.E. सुविधा को अलग श्रेणी में रखा जाए, ताकि इसे टैक्स में छूट मिल सके। जैसे, ₹20,000 प्रति व्यक्ति प्रति माह तक के आवास पर GST छूट।
- पर्यावरणीय मंजूरी के मामले में इन सुविधाओं को स्कूल, कॉलेज और होस्टल की तरह छूट दी जाए।
- औद्योगिक क्षेत्रों के पास **मिश्रित उपयोग वाले विकास** (Mixed-Use Development) की अनुमति दी जाए, जिससे मजदूर अपने कार्यस्थल के पास रह सकें।

2. वित्तीय मदद:

- **वायबिलिटी गैप फंडिंग** के जरिए प्रोजेक्ट लागत का 30-40% तक वित्तीय सहायता दी जाए। इसमें:
  - 20% फंडिंग आर्थिक मामलों के विभाग (DEA से।
  - 10% प्रायोजक मंत्रालय से।
  - अतिरिक्त योगदान राज्य सरकारों से।
- VGF योजना में सस्ते किराए वाले आवास को भी शामिल किया जाए।

3. पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप-:

- PPP मॉडल के तहत डॉर्मिटरीस्टाइल आवास बनाए - जाएं। इसे **केंद्रीय बजट 2024-25** में शामिल किया गया है। इसके तहत बड़ी औद्योगिक कंपनियां भी मजदूरों के लिए आवास में योगदान देंगी।

4. पुराने आवासों का सुधार:

- VGF का उपयोग करके पुराने आवासों को सुधारा जाए और उनकी क्षमता और सुरक्षा बढ़ाई जाए।

आर्थिक और सामाजिक जरूरत

रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि S.A.F.E. सुविधा केवल एक कल्याणकारी पहल नहीं है, बल्कि यह आर्थिक विकास के लिए बेहद जरूरी है। इससे मजदूरों की समस्याओं का समाधान होगा और भारत की मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकेगा।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

सभी की जिम्मेदारी

इस योजना की सफलता के लिए सरकार, उद्योग जगत और निजी डेवलपर्स को मिलकर काम करना होगा। रिपोर्ट ने सभी हितधारकों से अपील की है कि वे इन सिफारिशों को लागू करने के लिए ठोस कदम उठाएं।

निष्कर्ष

औद्योगिक मजदूरों के लिए सुरक्षित, सस्ते और सुविधाजनक आवास भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। नीति आयोग की यह रिपोर्ट इस दिशा में एक ठोस योजना पेश करती है।

अगर सभी पक्ष मिलकर काम करें, तो भारत न केवल एक मजबूत औद्योगिक तंत्र बनाएगा, बल्कि विकसित भारत 2047 के सपने को भी पूरा करेगा। यह पहल दिखाती है कि समावेशी विकास कैसे आर्थिक मजबूती का आधार बन सकता है।

राष्ट्रीय संग्रहालय परियोजना

संदर्भ

भारत और फ्रांस ने युग युगीन भारत राष्ट्रीय संग्रहालय को विकसित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह परियोजना सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना का हिस्सा है। इसके पहले चरण में नॉर्थ ब्लॉक को आधुनिक संग्रहालय में बदलने का काम किया जाएगा, जिसे जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। यह पहल 2020 में भारत और फ्रांस के बीच संग्रहालय विकास और विरासत संरक्षण में सहयोग के लिए हस्ताक्षरित सहमति पत्र का परिणाम है।

संग्रहालय का क्षेत्र

युग युगीन भारत राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली के नॉर्थ और साउथ ब्लॉक्स में 1,55,000 वर्ग मीटर में फैला होगा। यह संग्रहालय भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने वाली विशाल प्रदर्शनी का घर बनेगा। इसके पूरा होने के बाद यह पेरिस के लौवर संग्रहालय को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय बनने की उम्मीद है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना भारत के इतिहास को अभूतपूर्व पैमाने पर प्रदर्शित करने वाले वैश्विक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखती है।

विकास का तरीका

- संग्रहालय के विकास के लिए नॉर्थ और साउथ ब्लॉक्स को *एडैप्टिव रीयूज* (पुराने ढांचे को नए रूप में बदलने) के सिद्धांत पर तैयार किया जाएगा।
- इन ऐतिहासिक इमारतों की विरासत को संरक्षित करते हुए इन्हें आधुनिक संग्रहालय में परिवर्तित किया जाएगा।
- फ्रांस के संग्रहालय प्रबंधन के अनुभव के आधार पर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि संग्रहालय अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार संचालित हो।

चरणबद्ध समयरेखा

- **नॉर्थ ब्लॉक का कार्य:**
    - जून 2026 तक इसे नया रूप देने का काम पूरा होगा।
    - यहां मौजूद मंत्रालय मार्च 2025 तक खाली कर दिए जाएंगे।
    - इसके बाद *CPWD* इमारत को उसके मूल स्वरूप में बहाल करेगा और फिर आधुनिक संग्रहालय में बदलने का कार्य शुरू करेगा।

सेंट्रल विस्टा परिसर के बारे में

स्थान:

सेंट्रल विस्टा परिसर दिल्ली में 3.2 किलोमीटर क्षेत्र में फैला है, जो राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक जाता है। यहां प्रधानमंत्री कार्यालय समेत कई प्रमुख प्रशासनिक भवन मौजूद हैं।

विकास का इतिहास:

- **1911:** किंग जॉर्ज V द्वारा भारत की राजधानी कोलकाता से दिल्ली स्थानांतरित करने की घोषणा के बाद इसे डिजाइन किया गया।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- ब्रिटिश वास्तुकार एडविन लुटियंस और हर्बर्ट बेकर ने राष्ट्रपति भवन, नॉर्थ और साउथ ब्लॉक्स, संसद भवन, और इंडिया गेट जैसे ढांचे तैयार किए।
- स्वतंत्रता के बाद बढ़ती सरकारी जरूरतों को पूरा करने के लिए और भवन जोड़े गए।

सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना

उद्देश्य:

सरकारी ढांचों को आधुनिक बनाकर शासन तंत्र को मजबूत करना।

प्रमुख बिंदु:

- **देखरेख मंत्रालय:** आवास और शहरी कार्य मंत्रालय
- **अनुमानित लागत:** ₹20,000 करोड़
- **शुरुआत का वर्ष:** 2019
- **समाप्ति का वर्ष:** 2026

प्रस्तावित विकास कार्य:

- **नए निर्माण:**
  - नई संसद भवन, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के निवास, कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट, और सेंट्रल कॉन्फ्रेंस सेंटर।
- **पुरानी इमारतों में बदलाव:**
  - इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स, नेशनल म्यूजियम, और विज्ञान भवन जैसी इमारतों को तोड़ा जाएगा।
  - कुछ पुरानी इमारतों को संग्रहालय में बदला जाएगा।

नई संसद भवन की योजना

उद्घाटन:

28 मई 2023 को नई संसद भवन का उद्घाटन हुआ।

क्षमता:

- लोकसभा कक्ष में 888 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था है।
- राज्यसभा कक्ष में 384 सदस्यों के बैठने की क्षमता है।
- संयुक्त सत्र के लिए लोकसभा कक्ष में 1,272 सांसद बैठ सकते हैं।

डिजाइन:

नया भवन त्रिकोणीय आकार का है, जो पवित्र ज्यामिति) सैक्रेड ज्योमेट्री (का प्रतीक है। यह भवन आधुनिक स्थान प्रबंधन और भारत की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाले तत्वों का मिश्रण है।

वजन घटाने वाली दवाओं को WHO की मंजूरी

संदर्भ- विश्व स्वास्थ्य संगठन(WHO) ने मोटापे के इलाज के लिए GLP-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट्स (GLP-1 RAs) नामक नई दवाओं को मंजूरी दी है। यह मंजूरी इस बात को स्वीकार करती है कि केवल डाइट और व्यायाम जैसे पारंपरिक तरीकों से मोटापे की समस्या को हल करना पर्याप्त नहीं है। सेमाग्लूटाइड और टिर्जेपाटाइड जैसी दवाएं वजन घटाने के लिए एक प्रभावी और नई उम्मीद पेश करती हैं।

WHO ने इन दवाओं को क्यों मान्यता दी?

- स्वस्थ खानपान और व्यायाम को बढ़ावा देना प्रभावी होते - हुए भी मोटापे की महामारी को रोकने में पूरी तरह सफल नहीं रहा है।
- WHO की रिपोर्ट के अनुसार, 1990 से अब तक वयस्कों में मोटापे की दर दोगुनी और किशोरों में चार गुना बढ़ गई है।
- भारत में भी मोटापे के मामले तेजी से बढ़े हैं, जिससे लाखों लोग प्रभावित हैं।
- **GLP-1 RAs** शरीर में भूख और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने वाले हार्मोन की नकल करते हैं। यह दवाएं मोटापे के प्रबंधन में एक क्रांतिकारी कदम हैं और इससे संबंधित बीमारियों और समय से पहले मौत के जोखिम को कम करती हैं।

GLP-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट्स के बारे में-

GLP-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट्स (GLP-1 RAs) दवाओं की एक श्रेणी है, जो प्राकृतिक हार्मोन ग्लुकागन-लाइक पेप्टाइड-1 (GLP-1) की तरह काम करती हैं। यह हार्मोन भूख, भोजन की खपत और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उपयोग:

- ये दवाएं मुख्य रूप से मोटापे के इलाज में भूख कम करके और वजन घटाने में मदद करती हैं।
- इन्हें शुरुआत में टाइप 2 डायबिटीज के इलाज के लिए विकसित किया गया था, ताकि ब्लड शुगर को नियंत्रित किया जा सके।
- सेमाग्लूटाइड)Ozempic और Wegovy के नाम से बाजार में उपलब्ध(और टिर्जेपाटाइड जैसी दवाओं ने क्लीनिकल ट्रायल में शरीर के वजन में 25% तक कमी दिखायी है।

महत्व:

- **GLP-1 RAs** को वैश्विक मोटापा महामारी का समाधान माना जा रहा है, जिससे दुनिया में हर आठ में से एक व्यक्ति प्रभावित है।
- ये दवाएं मोटापे से जुड़ी बीमारियों, जैसे हृदय रोग और डायबिटीज, के जोखिम को कम करती हैं।
- इन दवाओं का व्यापक उपयोग न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य में सुधार करेगा, बल्कि मोटापे से जुड़े वैश्विक स्वास्थ्य खर्चों में भी कमी लाएगा, जो 2030 तक $3 ट्रिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।

पॉवर पैक्ड न्यूज़

राष्ट्रीय तानसेन सम्मान 2023

मध्य प्रदेश की संगीत राजधानी ग्वालियर में आयोजित विश्व प्रसिद्ध तानसेन समारोह में वर्ष 2023 का" राष्ट्रीय तानसेन सम्मान "प्रसिद्ध तबला वादक पं . स्वप्न चौधरी को दिया गया।

यह सम्मान भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक है। पुरस्कार में 5 लाख रुपये की राशि, प्रशस्ति पत्र और शॉल-श्रीफल प्रदान किए जाते हैं।

संगीत सम्राट तानसेन की स्मृति में स्थापित यह सम्मान, शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान को मान्यता देता है।

इस वर्ष, "राजा मानसिंह तोमर सम्मान" इंदौर की संस्था सानंद न्यास को प्रदान किया गया।

यह संस्था पिछले 35 वर्षों से शास्त्रीय संगीत, नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के क्षेत्र में सक्रिय है।
तानसेन सम्मान भारतीय सांस्कृतिक विरासत और संगीत परंपरा के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह समारोह न केवल कलाकारों को प्रेरित करता है बल्कि नई पीढ़ी को भारतीय संगीत की गहराई और समृद्धि से परिचित कराने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है।

भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान :FY 2026

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने वित्त वर्ष (रा-इंड)2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.6% की वृद्धि का अनुमान लगाया है, जो चालू वित्त वर्ष के 6.4% से अधिक है।

एजेंसी का मानना है कि निवेश आने वाले वर्षों में विकास का मुख्य चालक बना रहेगा। कोविड-19 के प्रभाव के बाद आर्थिक रिकवरी के कारण जीडीपी वृद्धि दर में सुधार हो रहा है।

हालांकि, भारतीय अर्थव्यवस्था मौद्रिक, राजकोषीय और बाहरी कसावट का सामना कर रही है। जबकि मौद्रिक स्थितियों में सुधार की संभावना है, राजकोषीय और बाहरी सख्ती बनी रह सकती है।

इंड-रा ने डॉलर की मजबूती, व्यापारिक तनाव और पूंजी प्रवाह में कमी के चलते विकास और मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान पर प्रभाव पड़ने की संभावना जताई है।

खुदरा मुद्रास्फीति FY 2026 में 4.4% रहने की उम्मीद है, जो FY 2025 के 4.9% अनुमान से कम है। इसके अलावा, व्यापारिक खाता घाटा FY 2026 में 308 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

यह आर्थिक अनुमानों के साथ सरकार के लिए नीतिगत सुधार और वैश्विक चुनौतियों के समाधान की जरूरत को रेखांकित करता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com